भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1901

30.07.2021 को उत्तर के लिए

वनों में लगने वाली आग का वनस्पति और जीवों पर प्रभाव

1901. श्री प्रताप सिम्हा:

श्री अण्णासाहेब शंकर जोल्ले:

डॉ. उमेश जी. जाधव:

श्री बी.वाई. राघवेन्द्र:

क्या ***पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री*** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तराखंड और कर्नाटक के वनों में लगने वाली आग के कारण वनस्पति और जीवों की कई लुप्तप्राय प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन क्षेत्रों में ऐसी प्रजातियों की कुल संख्या कितनी है और ऐसी प्रजातियों पर जंगल की आग का क्या प्रभाव पड़ता है; और

(ग) सरकार द्वारा वनों में लगने वाली आग से वनस्पतियों और जीवों की लुप्तप्राय प्रजातियों की रक्षा के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

<u>उत्तर</u>

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री अश्विनी कुमार चौबे)

(क) और (ख) : मंत्रालय में ऐसी कोई रिपोर्ट उपलब्ध नहीं है जो यह दर्शाती हैं कि उत्तराखंड और कर्नाटक के वनों में लगने वाली आग के कारण वनस्पति और जीवों की कई संकटग्रस्त प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं।

(ग) : सरकार द्वारा वनों में लगने वाली आग से वनस्पतियों और जीवों की संकटग्रस्त प्रजातियों की सुरक्षा के लिए उठाए गए महत्वपूर्ण कदम निम्नानुसार हैं:

i. मंत्रालय, केंद्र-प्रायोजित योजना-दावानल निवारण एवं प्रबंधन योजना के अंतर्गत विभिन्न दावानल और प्रबंधन उपायों तथा केंद्र-प्रायोजित योजना-वन्यजीव पर्यावासों का विकास, बाघ परियोजना और हाथी परियोजना के अंतर्गत वन्यजीवों और उनके पर्यावासों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके दावानल के निवारण और नियंत्रण में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों के प्रयासों को सहयोग प्रदान करता है।

ii. वन्यजीवों, पक्षियों और उनके पर्यावासों को जंगल में लगने वाली आग से बचाने के लिए और उनको सुरक्षा प्रदान करने के लिए वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972, भारतीय वन अधिनियम, 1927 तथा विभिन्न राज्य वन अधिनियमों के प्रावधानों के अंतर्गत पूरे देश में महत्वपूर्ण वन्यजीव पर्यावासों को शामिल करते हुए संरक्षित क्षेत्रों अर्थात् राष्ट्रीय उद्यानों, अभयारण्यों, संरक्षण रिज़र्वों और सामुदायिक रिज़र्वों, आरक्षित वनों, संरक्षित वनों का सृजन किया गया है।

*****